इस प्रश्न–पत्र में **37 प्रश्न** तथा **12 मुद्रित पृष्ठ** हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | | |

Code No. 69/MAY/4
कोड नं.

Set / सेट – A

HINDI
हिन्दी
(201)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

Signature of Invigilators
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) **1.** ____________________

2. ____________________

सामान्य अनुदेश :

1 परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2 कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से कोई **एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर–पुस्तिका में सही उत्तर लिखना है।

4 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ–साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा।

5 उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।

6 अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नं. **69/MAY/4, सेट – A** लिखें।

HINDI

हिन्दी

(201)

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश :

(i) इस प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या **37** है।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

(iv) इस प्रश्न–पत्र में दो खंड हैं – **खंड 'अ'** और **खंड 'ब'**।

(v) **खंड 'अ'** में वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय और **खंड 'ब'** में विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(vi) **खंड 'अ'** में कुल **27** प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या **1 से 5** पठित कविता पर, प्रश्न संख्या **6** अपठित कविता पर, प्रश्न संख्या **7 से 19** पठित गद्य पर, प्रश्न संख्या **20** अपठित गद्यांश पर और प्रश्न संख्या **21 से 27** व्याकरण पर आधारित प्रश्न हैं।

(vii) **खंड 'ब'** में कुल **10** प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या **28 से 30** पठित कविता पर, प्रश्न संख्या **31 से 34** पठित गद्य पर तथा प्रश्न संख्या **35 से 37** लेखन कौशल पर आधारित प्रश्न हैं। प्रश्नों के साथ उनके आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सामान्य अनुदेश :

1. सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

2. इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में **02.15** बजे किया जाएगा। **02.15** बजे से **02.30** बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

खंड 'अ'

(वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय)

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

1 आज़ादी तनहाई के लिए _______ है। 1

2 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में निम्नलिखित में से कौन–सी विशेषता नहीं मिलती? 1

(A) मानवीकरण (B) प्रश्न शैली

(C) दृश्यात्मकता (D) ओजस्विता

3 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 1×3=3

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में 'हाथ पीले करना' मुहावरा का अर्थ है ______।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार सब मिलकर देश को एकता के सूत्र में बाँधों और _______ - _______ उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम करें।

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है, जिसकी _______ का विकास न हुआ हो या जो मूर्ख हो।

4 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

(क) धन आवश्यकता के अनुसार ही अच्छा होता है। कबीर के अनुसार उससे अधिक होने पर ______ पालने की अपेक्षा दान देना ______ है। 1×2=2

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने पोखर के पानी में चाँद के ______ में गोल _______ की कल्पना की है। 1×2=2

5 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में नदियों के _______ पानी, उनमें बढ़ते _______ को लेकर दुख प्रकट किया है। 1×2=2

(ख) आज़ादी कविता में उस्ताद ______ भाषा का और लैंपपोस्ट _______ भाषा का शब्द है। 1×2=2

6 निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×4=4**

सुनता हूँ, मैंने भी देखा,
काले बादल में रहती चाँदी की रेखा।
काले बादल जाति द्वेष के,
काले बादल विश्व क्लेश के,
काले बादल उठते पथ पर,
नए स्वतन्त्रता के प्रवेश के !
सुनता आया हूँ, है देखा,
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा !

आज दिशा है घोर अंधेरी,
नभ में गरज रही रण–भेरी,
चमक रही चपला क्षण–क्षण पर,
झनक रही झिल्ली झन–झन कर;
नाच–नाच आँगन में गाते केका–केकी,

काले बादल में लहरी चाँदी की रेखा।

काले बादल, काले बादल,
मन भय से हो उठता चंचल !
कौन हृदय में कहता पल–पल,
मृत्यु आ रही साजे दलबल !
आग लग रही, घात चल रहे,
विधि का लेखा !

काले बादल में छिपी चाँदी की रेखा !
मुझे मृत्यु की भीति नहीं है,
पर अनीति से प्रीति नहीं है,
यह मनुजोचित रीति नहीं है,
जन में प्रीति–प्रतीति नहीं है।
देश जातियों का कब होगा,
नव मानवता में रे एका,
काले बादल में कल की,
सोने की रेखा !

(क) कवि के अनुसार काले बादल किसके प्रतीक हैं?

(A) बारिश के
(B) विश्व क्लेश के
(C) अंधेरे के
(D) मृत्यु के

(ख) कवि को किसका भय नहीं है?

(A) शत्रु का (B) शासन का

(C) संघर्ष का (D) मृत्यु का

(ग) 'काले बादल में रहती चाँदी की रेखा' पंक्ति से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(A) बादल में सफेद रेखा है।

(B) विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखाई देती है।

(C) काले बादल में चाँदी लगी है।

(D) काले बादलों में बिजली चमक रही है।

(घ) कवि को किस से प्रीति नहीं है?

(A) अनीति से (B) वर्षा से

(C) बादल से (D) चाँदी से

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

7 "बहादूर, आकर नाश्ता क्यों नहीं कर लेते?" बहादुर कहानी में यह कथन किसका है? **1**

(A) किशोर (B) वाचक

(C) निर्मला (D) रिश्तेदार

8 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में मिरज़ा के घर के नौकर–चाकर शतरंज के खेल को ______ खेल बोलते थे। **1**

(A) मनहूस (B) अच्छा

(C) समझदार (D) मज़ेदार

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिएः

9 गौरैया सुखी राजकुमार के सान्निध्य में क्या सीखती है? **1**

(A) तरस खाना (B) निस्वार्थ प्रेम

(C) दया करना (D) आत्मविश्लेषण

10 अंधेर नगरी नाटक में 'टके सेर भाजी टके सेर खाज़ा' में निहित व्यंग्यार्थ है ______ **1**

(A) सभी चीज़ें बहुत सस्ती हैं।
(B) एक टके की एक सेर भाजी खाओ।
(C) गुणों और मूल्यों की कदर नहीं है।
(D) सभी नागरिकों को समान महत्व मिले।

11 सार लेखक को मूल भाव और उसको पुष्ट करने वाले संबंधित बिंदुओं की पहचान कर उनको क्या देना होता है? **1**

(A) क्रम
(B) उदाहरण
(C) शीर्षक
(D) दोहराव

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

12 अखबार में कार्टून छापने का उद्देश्य______ और ______ टिप्पणी करना है। **1**

13 अनौपचारिक पत्र अपनों को प्रेम भरे भावों से स्वाभाविक ______ की______में लिखे जाते हैं। **1**

14 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – **1×2=2**

(क) मानव–शरीर का अध्ययन करने वाले प्राणि–विज्ञानियों का निश्चित मत है कि मानव–चित्त की भाँति मानव शरीर में ही बहुत–सी अभ्यासजन्य ______ ______ रह गई हैं।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में देवदूत ______ का दिल और ______ की लाश ले आया।

15 निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए – **1×2=2**

(क) ''किसी के दिन बराबर नहीं जाते। कितनी दर्दनाक हालत है।'' ______

(ख) ''आधी तनखाह तो नौकर पर ही खर्च हो रही है, पर रुपया–पैसा कमाया किस लिए जाता है?'' ______

16 नीचे दिए गए कथनों को उत्तर–पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही हैं या गलत। **1×2=2**

(क) सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया के सब साथी कल दूसरे प्रपात तक उड़ जाएँगे।

(ख) पशुता को हराने के लिए स्व का बंधन आवश्यक नहीं है।

17 निबंध में ______ होनी चाहिए, वाक्य छोटे तथा ______ होने चाहिए। 1×2=2

(A) क्रमबद्धता, प्रभावशाली
(B) क्रम, गंभीर
(C) कहानी, लम्बे
(D) कल्पना, प्रभावशाली

18 नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और उसे अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – 1×2=2

	पाठ का नाम	पात्र का नाम
(क)	अंधेर नगरी	वाचक
(ख)	बहादुर	नारायणदास

19 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – 1×2=2

(क) समाचारों का चयन उनके महत्व और ______ के अनुसार किया जाता है।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में ______ स्थितियों का वर्णन किया गया है।

20 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 1×4=4

समस्त ग्रंथों एवं ज्ञानी, अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है। हमें कर्म करने के लिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ, दुख कष्ट आदि हमारे शत्रु हैं जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने कहा है, ''कायर मनुष्य अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते है किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।'' विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशील, और अपराजेय व्यक्तित्व है। महापुरुषों को अपने जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परंतु वे घबराए नहीं संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग पर अकेला ही चलना पड़ता है, कोई बाहरी शक्ति आप की सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय है। यदि समस्याएँ न हों, तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। समस्या को सुलझाते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभर कर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है। पुराणों में अनेक कथाएँ यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखें व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचें। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य करेगा उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।

(क) जीवन क्या है ?

(A) धर्मक्षेत्र
(B) रणक्षेत्र
(C) कर्मक्षेत्र
(D) क्रीड़ाक्षेत्र

(ख) संघर्ष के मार्ग पर कैसे चलना पड़ता है?

(A) अकेले ही (B) झुककर

(C) समूह में (D) पंक्तियों में

(ग) यदि समस्याएँ न हो, तो आदमी प्रायः अपने को कैसा समझने लगेगा?

(A) सक्रिय (B) निष्क्रिय

(C) दानवीर (D) सहनशील

(घ) महापुरुषों की महानता का रहस्य क्या है?

(A) उनकी दानशीलता (B) उनकी सहनशीलता

(C) उनकी वीरता (D) उनकी शक्ति

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

21 'अपना सा मुँह लेकर रह जाना' मुहावरे का अर्थ है ______। **1**

(A) लज्जित होना (B) घबरा जाना

(C) अकड़ना (D) भाग जाना

22 पुरुषोत्तम ______ समास का उदाहरण है। **1**

(A) अव्ययीभाव (B) द्वंद्व

(C) तत्पुरुष (D) द्विगु

23 निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है– **1**

(A) मत मारो मुझे। (B) मुझे मत मारो।

(C) मुझे मारो मत। (D) मारो मत मुझे।

24 प्रधानाचार्या प्रार्थना सभा में आईं और उन्होंने सदाचार पर भाषण दिया। **1**

यह ______ वाक्य है।

(A) संयुक्त (B) मिश्र

(C) सरल (D) विधानसूचक

25 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 1×2=2

(i) परमेश्वर का संधि–विच्छेद _______ है।

(ii) उत्तरोत्तर का संधि–विच्छेद _______ है।

26 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 1×2=2

(i) सफल शब्द में _______ उपसर्ग है।

(ii) योग्यता शब्द में _______ प्रत्यय है।

27 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : 1×2=2

(i) कमल, सुर, निडर, गति में से तद्भव शब्द है _______।

(ii) नासिका, गेहूँ, भिखारी, मोती में से तत्सम शब्द है _______।

खंड 'ब'
(विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक)

28 निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए– 4

देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में,
दूर व्यापारिक नगर से,
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

अथवा

आओ, मिलें सब देश–बांधव हार बन कर देश के,
साधक बने सब प्रेम से सुख–शांतिमय उद्देश्य के,
क्या सांप्रदायिक भेद से ऐक्य मिट सकता अहो !
बनती नहीं क्या एक माला विविधा सुमनों को कहो ?

29 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 3

क्या, होती है तुम्हारे भीतर धमस,
कटकर गिरता है जब कोई पेड़, धरती पर ?
सुना है कभी,
रात के सन्नाटे में अंधेरे से मुँह ढाँप,
किस कदर रोती हैं नदियाँ ?

अथवा

पावस देखि रहीम मन, कोइल साधै मौन।
अब दादुर बक्ता भए, हमको पूछत कौन॥

30 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×3=6**

(क) आज़ादी कविता के अनुसार 'बलिदानी को जीवन' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में गाँव के तालाब का सुंदर चित्रण है। उसका वर्णन कीजिए।

(ग) आह्वान कविता के माध्यम से बताइए कि 'देश के प्रति आपके क्या कर्तव्य हैं?'

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार 'पहाड़ मौन समाधि लिए बैठा है'। इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

31 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×3=6**

(क) किशोर ने बहादुर को क्या काम सौंपे?

(ख) नाखून क्यों बढ़ते हैं? पाठ के अनुसार इंडिपेंडेंस का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में प्रजा की स्थिति का वर्णन किस प्रकार किया गया है?

(घ) सुखी राजकुमार की मूर्ति हटवाने के क्या कारण थे?

32 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×2=4**

(क) मूल्यवान वस्तुएँ सस्ती होने पर भी महंत ने अंधेर नगरी में रहने के लिए क्यों मना किया?

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी में ईश्वर और उसके देवदूत की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

33 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **5**

सफलता और चरितार्थता में अंतर है। मनुष्य मारणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आड़म्बर के साथ सफलता का नाम दे रखा है। परंतु मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सब के मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है जो उस के जीवन में सफलता ले आना चाहती है, उसको काट देना उस स्वनिर्धारित, आत्मबंधन का फल है, जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए। **1**

(ख) मनुष्य की चरितार्थता किस–किस में है? **2**

(ग) मनुष्य अपनी सच्ची जीत कैसे सिद्ध करता है? **2**

अथवा

उसके बाद ओले गिरे और फिर पाला पड़ने लगा। सड़कें चमकदार बर्फ से ढककर चाँदी की मालूम होने लगी। छज्जों से बड़े–बड़े बर्फ के टुकड़े लटकने लगे। सभी फ़र के ओवरकोट पहनकर निकलने लगे। बेचारी नन्हीं गौरैया ठंड से अकड़ने लगी; लेकिन वह उसे इतना प्यार करती थी कि उसे वह छोड़ नहीं सकती थी। अंत में उसे लगा की अब उसके दिन करीब हैं। अब उसके परों में केवल इतनी शक्ति शेष थी कि वह राजकुमार के कंधों तक एक बार उड़ सकती थी।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए। **1**

(ख) गद्यांश में वर्णित प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए। **2**

(ग) इस गद्यांश से गौरैया के चरित्र की किन विशेषताओं का पता चलता है? **2**

34 निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **5**

बादशाह को लिए हुए सेना सामने से निकल गई। उनके जाते ही मिरज़ा ने फिर बाज़ी बिछा दी। हार की चोट बुरी होती है। मीर ने कहा – आइए नवाब साहब के मातम में एक मरसिया कह डालें। लेकिन, मिरज़ा की राजभक्ति अपनी हार के साथ लुप्त हो चुकी थी। वे हार का बदला चुकाने के लिए अधीर हो रहे थे। शाम हो गई। खंडहर में चमगादड़ों ने चीखना शुरू किया। अबाबीलें आ–आ कर अपने–अपने 'घोंसलों' में चिमटीं। पर दोनों खिलाड़ी डटे हुए थे।

अथवा

किशोर तो जैसे उसकी जान के पीछे पड़ गया था। वह उदास रहने लगा और काम में लापरवाही करने लगा। एक दिन मैं दफ़्तर से विलंब से आया। निर्मला आँगन में चुपचाप सिर पर हाथ रखकर बैठी थी। अन्य लड़कों का पता नहीं था केवल लड़की अपनी माँ के पास खड़ी थी। अँगीठी अभी जली नहीं थी। आँगन गंदा पडा था। बर्तन बिना मले हुए रखे थे। सारा घर जैसे काट रहा था।

35 निम्नलिखित गद्यांश का सार एक–तिहाई शब्दों में लिखिए – **5**

'दैव–दैव आलसी पुकारा' उक्ति का अर्थ है कि आलसी व्यक्ति ही भाग्य की दुहाई देता है। वह भाग्य के भरोसे ही जीवन बिता देना चाहता है। सुख प्राप्त होने पर वह भाग्य की प्रशंसा करता है और दुख आने पर वह भाग्य को कोसता है। यह ठीक है कि भाग्य का भी हमारे जीवन में महत्व है, लेकिन आलसी बन कर बैठे रहना तथा असफलता प्राप्त होने पर भाग्य को दोष देना किसी प्रकार भी उचित नहीं। प्रयास और परिश्रम की महिमा सब जानते हैं। परिश्रम के बल पर मनुष्य भाग्य की रेखाओं को भी बदल सकता है। परिश्रम सफलता की कुंजी है। कहा भी है – यदि पुरुषार्थ मेंरे दाएँ हाथ में है तो विजय बाएँ हाथ में। परिश्रम से मिट्टी भी सोना उगलती है। आलसी और कामचोर व्यक्ति ही भाग्य के लेख पढ़ते हैं। कर्मठ व्यक्ति तो बाहुबल पर भरोसा करते हैं। परिश्रमी व्यक्ति स्वावलंबी, ईमानदार, सत्यवादी एव चरित्रवान होता है। आलसी व्यक्ति जीवन में कभी प्रगति नहीं कर सकता। आलस्य जीवन को जड़ बनाता है। आलसी परावलंबी होता है। इसलिए आलस छोड़कर परिश्रमी बनना चाहिए।

36 आपके बड़े भाई द्वारा दिल्ली से आपको भेजा गया पार्सल लंबी अवधि के बाद भी प्राप्त नहीं हुआ है। स्थानीय रेलवे अधिकारियों को इसकी शिकायत करते हुए पत्र लिखिए। **5**

अथवा

अपनी अध्यापिका की अध्यापन शैली और व्यवहार की प्रशंसा करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

37 निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए : **7**

(क) साहित्य समाज का मार्गदर्शक

(ख) राष्ट्रोत्थान में शिक्षा की भूमिका

(ग) मेरी प्रिय पुस्तक

(घ) करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

For any help related to admission in NIOS please contact
SS Coaching @ 9935035316

इस प्रश्न–पत्र में **37 प्रश्न** तथा **12 मुद्रित पृष्ठ** हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | | |

Code No. 69/MAY/4
कोड नं.

Set / सेट – B

SS COACHING
RISE FROM FAILURE
Estd.2001

HINDI
हिन्दी
(201)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

Signature of Invigilators
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) **1.** ____________________

2. ____________________

सामान्य अनुदेश :

1 परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2 कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से कोई **एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर–पुस्तिका में सही उत्तर लिखना है।

4 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ–साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा।

5 उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।

6 अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नं. **69/MAY/4, सेट – B** लिखें।

HINDI

हिन्दी

(201)

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश :

(i) इस प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 37 है।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

(iv) इस प्रश्न–पत्र में दो खंड हैं – **खंड 'अ'** और **खंड 'ब'**।

(v) **खंड 'अ'** में वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय और **खंड 'ब'** में विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(vi) **खंड 'अ'** में कुल **27** प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या **1 से 5** पठित कविता पर, प्रश्न संख्या **6** अपठित कविता पर, प्रश्न संख्या **7 से 19** पठित गद्य पर, प्रश्न संख्या **20** अपठित गद्यांश पर और प्रश्न संख्या **21 से 27** व्याकरण पर आधारित प्रश्न हैं।

(vii) **खंड 'ब'** में कुल **10** प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या **28 से 30** पठित कविता पर, प्रश्न संख्या **31 से 34** पठित गद्य पर तथा प्रश्न संख्या **35 से 37** लेखन कौशल पर आधारित प्रश्न हैं। प्रश्नों के साथ उनके आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सामान्य अनुदेश :

1. सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

2. इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में **02.15** बजे किया जाएगा। **02.15** बजे से **02.30** बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

खंड 'अ'

(वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय)

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

1 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

(क) धन आवश्यकता के अनुसार ही अच्छा होता है। कबीर के अनुसार उससे अधिक होने पर _____ पालने की अपेक्षा दान देना _____ है। **1×2=2**

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने पोखर के पानी में चाँद के _____ में गोल _______ की कल्पना की है। **1×2=2**

2 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में नदियों के _______ पानी, उनमें बढ़ते _______ को लेकर दुख प्रकट किया है। **1×2=2**

(ख) आज़ादी कविता में उस्ताद _____ भाषा का और लैंपपोस्ट _______ भाषा का शब्द है। **1×2=2**

3 आज़ादी तनहाई के लिए _______ है। **1**

4 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में निम्नलिखित में से कौन–सी विशेषता नहीं मिलती ? **1**

(A) मानवीकरण (B) प्रश्न शैली

(C) दृश्यात्मकता (D) ओजस्विता

5 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×3=3**

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में 'हाथ पीले करना' मुहावरा का अर्थ है _____।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार सब मिलकर देश को एकता के सूत्र में बाँधों और _______-_______ उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम करें।

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है, जिसकी _______ का विकास न हुआ हो या जो मूर्ख हो।

6 निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×4=4**

सुनता हूँ, मैंने भी देखा,
काले बादल में रहती चाँदी की रेखा।
काले बादल जाति द्वेष के,
काले बादल विश्व क्लेश के,
काले बादल उठते पथ पर,
नए स्वतन्त्रता के प्रवेश के !
सुनता आया हूँ, है देखा,
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा !
आज दिशा है घोर अंधेरी,
नभ में गरज रही रण–भेरी,
चमक रही चपला क्षण–क्षण पर,
झनक रही झिल्ली झन–झन कर;
नाच–नाच आँगन में गाते केका–केकी,
काले बादल में लहरी चाँदी की रेखा।
काले बादल, काले बादल,
मन भय से हो उठता चंचल !
कौन हृदय में कहता पल–पल,
मृत्यु आ रही साजे दलबल !
आग लग रही, घात चल रहे,
विधि का लेखा !
काले बादल में छिपी चाँदी की रेखा !
मुझे मृत्यु की भीति नहीं है,
पर अनीति से प्रीति नहीं है,
यह मनुजोचित रीति नहीं है,
जन में प्रीति–प्रतीति नहीं है।
देश जातियों का कब होगा,
नव मानवता में रे एका,
काले बादल में कल की,
सोने की रेखा !

(क) कवि के अनुसार काले बादल किसके प्रतीक हैं?

(A) बारिश के
(B) विश्व क्लेश के
(C) अंधेरे के
(D) मृत्यु के

(ख) कवि को किसका भय नहीं है?

(A) शत्रु का (B) शासन का

(C) संघर्ष का (D) मृत्यु का

(ग) 'काले बादल में रहती चाँदी की रेखा' पंक्ति से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(A) बादल में सफेद रेखा है।

(B) विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखाई देती है।

(C) काले बादल में चाँदी लगी है।

(D) काले बादलों में बिजली चमक रही है।

(घ) कवि को किस से प्रीति नहीं है?

(A) अनीति से (B) वर्षा से

(C) बादल से (D) चाँदी से

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिएः

7 गौरैया सुखी राजकुमार के सान्निध्य में क्या सीखती है? 1

(A) तरस खाना (B) निस्वार्थ प्रेम

(C) दया करना (D) आत्मविश्लेषण

8 अंधेर नगरी नाटक में 'टके सेर भाजी टके सेर खाज़ा' में निहित व्यंग्यार्थ है ______ 1

(A) सभी चीज़ें बहुत सस्ती हैं। (B) एक टके की एक सेर भाजी खाओ।

(C) गुणों और मूल्यों की कदर नहीं है। (D) सभी नागरिकों को समान महत्व मिले।

9 सार लेखक को मूल भाव और उसको पुष्ट करने वाले संबंधित बिंदुओं की पहचान कर उनको क्या देना होता है? 1

(A) क्रम (B) उदाहरण

(C) शीर्षक (D) दोहराव

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

10 अखबार में कार्टून छापने का उद्देश्य______ और ______ टिप्पणी करना है। **1**

11 अनौपचारिक पत्र अपनों को प्रेम भरे भावों से स्वाभाविक ______ की______में लिखे जाते हैं। **1**

12 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – **1×2=2**

(क) मानव–शरीर का अध्ययन करने वाले प्राणि–विज्ञानियों का निश्चित मत है कि मानव–चित्त की भाँति मानव शरीर में ही बहुत–सी अभ्यासजन्य ______ ______ रह गई हैं।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में देवदूत ______ का दिल और ______ की लाश ले आया।

13 निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए – **1×2=2**

(क) ''किसी के दिन बराबर नहीं जाते। कितनी दर्दनाक हालत है।'' ______

(ख) ''आधी तनखाह तो नौकर पर ही खर्च हो रही है, पर रुपया–पैसा कमाया किस लिए जाता है?'' ______

14 नीचे दिए गए कथनों को उत्तर–पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही हैं या गलत। **1×2=2**

(क) सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया के सब साथी कल दूसरे प्रपात तक उड़ जाएँगे।

(ख) पशुता को हराने के लिए स्व का बंधन आवश्यक नहीं है।

15 निबंध में ______ होनी चाहिए, वाक्य छोटे तथा ______ होने चाहिए। **1×2=2**

(A) क्रमबद्धता, प्रभावशाली (B) क्रम, गंभीर

(C) कहानी, लम्बे (D) कल्पना, प्रभावशाली

16 नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और उसे अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – **1×2=2**

	पाठ का नाम	पात्र का नाम
(क)	अंधेर नगरी	वाचक
(ख)	बहादुर	नारायणदास

17 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – **1×2=2**

(क) समाचारों का चयन उनके महत्व और ______ के अनुसार किया जाता है।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में ______ स्थितियों का वर्णन किया गया है।

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

18 "बहादूर, आकर नाश्ता क्यों नहीं कर लेते?" बहादुर कहानी में यह कथन किसका है? **1**

(A) किशोर (B) वाचक

(C) निर्मला (D) रिश्तेदार

19 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में मिरज़ा के घर के नौकर–चाकर शतरंज के खेल को ______ खेल बोलते थे। **1**

(A) मनहूस (B) अच्छा

(C) समझदार (D) मज़ेदार

20 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×4=4**

समस्त ग्रंथों एवं ज्ञानी, अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है। हमें कर्म करने के लिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ, दुख कष्ट आदि हमारे शत्रु हैं जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने कहा है, "कायर मनुष्य अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते है किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।" विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशील, और अपराजेय व्यक्तित्व है। महापुरुषों को अपने जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परंतु वे घबराए नहीं संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग पर अकेला ही चलना पड़ता है, कोई बाहरी शक्ति आप की सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय है। यदि समस्याएँ न हों, तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। समस्या को सुलझाते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभर कर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है। पुराणों में अनेक कथाएँ यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखें व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचें। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य करेगा उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।

(क) जीवन क्या है?

(A) धर्मक्षेत्र (B) रणक्षेत्र

(C) कर्मक्षेत्र (D) क्रीड़ाक्षेत्र

(ख) संघर्ष के मार्ग पर कैसे चलना पड़ता है?

(A) अकेले ही (B) झुककर

(C) समूह में (D) पंक्तियों में

(ग) यदि समस्याएँ न हो, तो आदमी प्रायः अपने को कैसा समझने लगेगा?

(A) सक्रिय (B) निष्क्रिय

(C) दानवीर (D) सहनशील

(घ) महापुरुषों की महानता का रहस्य क्या है?

(A) उनकी दानशीलता (B) उनकी सहनशीलता

(C) उनकी वीरता (D) उनकी शक्ति

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

21 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – **1×2=2**

(क) अज्ञात शब्द में _________उपसर्ग है।

(ख) शक्तिशाली शब्द में _________ प्रत्यय है।

22 प्रधानाचार्या प्रार्थना सभा में आईं और उन्होंने सदाचार पर भाषण दिया। **1**

यह _______ वाक्य है।

(A) संयुक्त (B) मिश्र

(C) सरल (D) विधानसूचक

23 'ज़मीन पर पैर न पड़ना' मुहावरे का अर्थ है ______। **1**

(A) पाँवों में चोट लगना (B) असफल होना

(C) घमंड करना (D) लंगड़ा होना

24 चौमासा _______समास का उदाहरण है। **1**

(A) कर्मधारय (B) अव्ययीभाव

(C) द्वंद्व (D) द्विगु

25 निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है– **1**

(A) स्वास्थ्य आपका अब कैसा है? (B) अब आपका स्वास्थ्य कैसा है?

(C) स्वास्थ्य अब आपका कैसा है? (D) अब स्वास्थ्य आपका कैसा है?

26 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×2=2**

(i) कमल, सुर, निडर, गति में से तद्भव शब्द है ______।

(ii) नासिका, गेहूँ, भिखारी, मोती में से तत्सम शब्द है ______।

27 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×2=2**

(क) चंद्रोदय का संधि–विच्छेद ______ है।

(ख) योगीश्वर का संधि–विच्छेद ______ है।

खंड 'ब'
(विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक)

28 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×3=6**

(क) आज़ादी कविता के अनुसार 'बलिदानी को जीवन' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में गाँव के तालाब का सुंदर चित्रण है। उसका वर्णन कीजिए।

(ग) आह्वान कविता के माध्यम से बताइए कि 'देश के प्रति आपके क्या कर्तव्य हैं?'

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार 'पहाड़ मौन समाधि लिए बैठा है'। इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

29 निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए– **4**

देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में,
दूर व्यापारिक नगर से,
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

अथवा

आओ, मिलें सब देश–बांधव हार बन कर देश के,
साधक बने सब प्रेम से सुख–शांतिमय उद्देश्य के,
क्या सांप्रदायिक भेद से ऐक्य मिट सकता अहो !
बनती नहीं क्या एक माला विविधा सुमनों को कहो?

30 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **3**

क्या, होती है तुम्हारे भीतर धमस,
कटकर गिरता है जब कोई पेड़, धरती पर?
सुना है कभी,
रात के सन्नाटे में अंधेरे से मुँह ढाँप,
किस कदर रोती हैं नदियाँ?

अथवा

पावस देखि रहीम मन, कोइल साधै मौन।
अब दादुर बक्ता भए, हमको पूछत कौन॥

31 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **5**

सफलता और चरितार्थता में अंतर है। मनुष्य मारणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आड़म्बर के साथ सफलता का नाम दे रखा है। परंतु मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सब के मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है जो उस के जीवन में सफलता ले आना चाहती है, उसको काट देना उस स्वनिर्धारित, आत्मबंधन का फल है, जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए। **1**

(ख) मनुष्य की चरितार्थता किस–किस में है? **2**

(ग) मनुष्य अपनी सच्ची जीत कैसे सिद्ध करता है? **2**

अथवा

उसके बाद ओले गिरे और फिर पाला पड़ने लगा। सड़कें चमकदार बर्फ से ढककर चाँदी की मालूम होने लगी। छज्जों से बड़े–बड़े बर्फ के टुकड़े लटकने लगे। सभी फ़र के ओवरकोट पहनकर निकलने लगे। बेचारी नन्हीं गौरैया ठंड से अकड़ने लगी; लेकिन वह उसे इतना प्यार करती थी कि उसे वह छोड़ नहीं सकती थी। अंत में उसे लगा की अब उसके दिन करीब हैं। अब उसके परों में केवल इतनी शक्ति शेष थी कि वह राजकुमार के कंधों तक एक बार उड़ सकती थी।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए। **1**

(ख) गद्यांश में वर्णित प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए। **2**

(ग) इस गद्यांश से गौरैया के चरित्र की किन विशेषताओं का पता चलता है? **2**

32 निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **5**

बादशाह को लिए हुए सेना सामने से निकल गई। उनके जाते ही मिरज़ा ने फिर बाज़ी बिछा दी। हार की चोट बुरी होती है। मीर ने कहा – आइए नवाब साहब के मातम में एक मरसिया कह डालें। लेकिन, मिरज़ा की राजभक्ति अपनी हार के साथ लुप्त हो चुकी थी। वे हार का बदला चुकाने के लिए अधीर हो रहे थे। शाम हो गई। खंडहर में चमगादड़ों ने चीखना शुरू किया। अबाबीलें आ–आ कर अपने–अपने 'घोंसलों' में चिमटीं। पर दोनों खिलाड़ी डटे हुए थे।

अथवा

किशोर तो जैसे उसकी जान के पीछे पड़ गया था। वह उदास रहने लगा और काम में लापरवाही करने लगा। एक दिन मैं दफ़्तर से विलंब से आया। निर्मला आँगन में चुपचाप सिर पर हाथ रखकर बैठी थी। अन्य लड़कों का पता नहीं था केवल लड़की अपनी माँ के पास खड़ी थी। अँगीठी अभी जली नहीं थी। आँगन गंदा पडा था। बर्तन बिना मले हुए रखे थे। सारा घर जैसे काट रहा था।

33 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए : **2×3=6**

(क) 'बहादुर घर में फिरकी की तरह नाचता रहता था' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) नाखून क्यों बढ़ते हैं ? पाठ के लेखक ने विश्व की शांति के लिए क्या आवश्यक बताया है ?

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के अनुसार वाजिद अली शाह के समय का वर्णन कीजिए।

(घ) अखबारों में कितने प्रकार के लेख प्रकाशित होते हैं ? उनके विषय में लिखिए।

34 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×2=4**

(क) मूल्यवान वस्तुएँ सस्ती होने पर भी महंत ने अंधेर नगरी में रहने के लिए क्यों मना किया ?

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी में ईश्वर और उसके देवदूत की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

35 डेंगू के बढ़ते प्रकोप पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखिए। **5**

अथवा

मैट्रो ट्रेन में पहली बार की गई यात्रा का अनुभव बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

36 निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए : **7**

(क) मंगल ग्रह की यात्रा

(ख) भारत का प्राकृतिक सौंदर्य

(ग) मीडिया का सामाजिक दायित्व

(घ) समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता।

37 निम्नलिखित गद्यांश का सार एक–तिहाई शब्दों में लिखिए – **5**

'दैव–दैव आलसी पुकारा' उक्ति का अर्थ है कि आलसी व्यक्ति ही भाग्य की दुहाई देता है। वह भाग्य के भरोसे ही जीवन बिता देना चाहता है। सुख प्राप्त होने पर वह भाग्य की प्रशंसा करता है और दुख आने पर वह भाग्य को कोसता है। यह ठीक है कि भाग्य का भी हमारे जीवन में महत्व है, लेकिन आलसी बन कर बैठे रहना तथा असफलता प्राप्त होने पर भाग्य को दोष देना किसी प्रकार भी उचित नहीं। प्रयास और परिश्रम की महिमा सब जानते हैं। परिश्रम के बल पर मनुष्य भाग्य की रेखाओं को भी बदल सकता है। परिश्रम सफलता की कुंजी है। कहा भी है – यदि पुरुषार्थ मेंरे दाएँ हाथ में है तो विजय बाएँ हाथ में। परिश्रम से मिट्टी भी सोना उगलती है। आलसी और कामचोर व्यक्ति ही भाग्य के लेख पढ़ते हैं। कर्मठ व्यक्ति तो बाहुबल पर भरोसा करते हैं। परिश्रमी व्यक्ति स्वावलंबी, ईमानदार, सत्यवादी एव चरित्रवान होता है। आलसी व्यक्ति जीवन में कभी प्रगति नहीं कर सकता। आलस्य जीवन को जड़ बनाता है। आलसी परावलंबी होता है। इसलिए आलस छोड़कर परिश्रमी बनना चाहिए।

For any help related to admission in NIOS please contact
SS Coaching @ 9935035316

इस प्रश्न–पत्र में **37 प्रश्न** तथा **12 मुद्रित पृष्ठ** हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | | |

Code No. 69/MAY/4
कोड नं.

Set / सेट – C

HINDI
हिन्दी
(201)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

Signature of Invigilators
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) **1.** ____________________

2. ____________________

सामान्य अनुदेश :

1 परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2 कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से कोई **एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर–पुस्तिका में सही उत्तर लिखना है।

4 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ–साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा।

5 उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।

6 अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नं. **69/MAY/4, सेट – C** लिखें।

HINDI

हिन्दी

(201)

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश :

(i) इस प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 37 है।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

(iv) इस प्रश्न–पत्र में दो खंड हैं – **खंड 'अ'** और **खंड 'ब'**।

(v) **खंड 'अ'** में वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय और **खंड 'ब'** में विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(vi) **खंड 'अ'** में कुल 27 प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या **1 से 5** पठित कविता पर, प्रश्न संख्या **6** अपठित कविता पर, प्रश्न संख्या **7 से 19** पठित गद्य पर, प्रश्न संख्या **20** अपठित गद्यांश पर और प्रश्न संख्या **21 से 27** व्याकरण पर आधारित प्रश्न हैं।

(vii) **खंड 'ब'** में कुल 10 प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या **28 से 30** पठित कविता पर, प्रश्न संख्या **31 से 34** पठित गद्य पर तथा प्रश्न संख्या **35 से 37** लेखन कौशल पर आधारित प्रश्न हैं। प्रश्नों के साथ उनके आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सामान्य अनुदेश :

1. सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

2. इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में **02.15** बजे किया जाएगा। **02.15** बजे से **02.30** बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

खंड 'अ'

(वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय)

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

1 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में नदियों के _______ पानी, उनमें बढ़ते _______ को लेकर दुख प्रकट किया है। **1×2=2**

(ख) आज़ादी कविता में उस्ताद _____ भाषा का और लैंपपोस्ट ______ भाषा का शब्द है। **1×2=2**

2 आज़ादी तनहाई के लिए _______ है। **1**

3 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में निम्नलिखित में से कौन–सी विशेषता नहीं मिलती? **1**

(A) मानवीकरण
(B) प्रश्न शैली
(C) दृश्यात्मकता
(D) ओजस्विता

4 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×3=3**

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में 'हाथ पीले करना' मुहावरा का अर्थ है _____।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार सब मिलकर देश को एकता के सूत्र में बाँधों और _______ - _______ उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम करें।

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है, जिसकी _______ का विकास न हुआ हो या जो मूर्ख हो।

5 निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

(क) धन आवश्यकता के अनुसार ही अच्छा होता है। कबीर के अनुसार उससे अधिक होने पर _____ पालने की अपेक्षा दान देना _____ है। **1×2=2**

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने पोखर के पानी में चाँद के _____ में गोल _______ की कल्पना की है। **1×2=2**

6 निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×4=4**

सुनता हूँ, मैंने भी देखा,
काले बादल में रहती चाँदी की रेखा।
काले बादल जाति द्वेष के,
काले बादल विश्व क्लेश के,
काले बादल उठते पथ पर,
नए स्वतन्त्रता के प्रवेश के !
सुनता आया हूँ, है देखा,
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा !
आज दिशा है घोर अंधेरी,
नभ में गरज रही रण–भेरी,
चमक रही चपला क्षण–क्षण पर,
झनक रही झिल्ली झन–झन कर;
नाच–नाच आँगन में गाते केका–केकी,
काले बादल में लहरी चाँदी की रेखा।
काले बादल, काले बादल,
मन भय से हो उठता चंचल !
कौन हृदय में कहता पल–पल,
मृत्यु आ रही साजे दलबल !
आग लग रही, घात चल रहे,
विधि का लेखा !
काले बादल में छिपी चाँदी की रेखा !
मुझे मृत्यु की भीति नहीं है,
पर अनीति से प्रीति नहीं है,
यह मनुजोचित रीति नहीं है,
जन में प्रीति–प्रतीति नहीं है।
देश जातियों का कब होगा,
नव मानवता में रे एका,
काले बादल में कल की,
सोने की रेखा !

(क) कवि के अनुसार काले बादल किसके प्रतीक हैं?

(A) बारिश के
(B) विश्व क्लेश के
(C) अंधेरे के
(D) मृत्यु के

(ख) कवि को किसका भय नहीं है?

(A) शत्रु का (B) शासन का

(C) संघर्ष का (D) मृत्यु का

(ग) 'काले बादल में रहती चाँदी की रेखा' पंक्ति से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(A) बादल में सफेद रेखा है।

(B) विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखाई देती है।

(C) काले बादल में चाँदी लगी है।

(D) काले बादलों में बिजली चमक रही है।

(घ) कवि को किस से प्रीति नहीं है?

(A) अनीति से (B) वर्षा से

(C) बादल से (D) चाँदी से

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिएः

7 अंधेर नगरी नाटक में 'टके सेर भाजी टके सेर खाज़ा' में निहित व्यंग्यार्थ है ______ **1**

(A) सभी चीज़ें बहुत सस्ती हैं। (B) एक टके की एक सेर भाजी खाओ।

(C) गुणों और मूल्यों की कदर नहीं है। (D) सभी नागरिकों को समान महत्व मिले।

8 सार लेखक को मूल भाव और उसको पुष्ट करने वाले संबंधित बिंदुओं की पहचान कर उनको क्या देना होता है? **1**

(A) क्रम (B) उदाहरण

(C) शीर्षक (D) दोहराव

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

9 अखबार में कार्टून छापने का उद्देश्य______ और ______ टिप्पणी करना है। **1**

10 अनौपचारिक पत्र अपनों को प्रेम भरे भावों से स्वाभाविक ______ की______में लिखे जाते हैं। **1**

11 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – 1×2=2

(क) मानव–शरीर का अध्ययन करने वाले प्राणि–विज्ञानियों का निश्चित मत है कि मानव–चित्त की भाँति मानव शरीर में ही बहुत–सी अभ्यासजन्य ______ ______ रह गई हैं।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में देवदूत ______ का दिल और ______ की लाश ले आया।

12 निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए – 1×2=2

(क) ''किसी के दिन बराबर नहीं जाते। कितनी दर्दनाक हालत है।'' ______

(ख) ''आधी तनखाह तो नौकर पर ही खर्च हो रही है, पर रुपया–पैसा कमाया किस लिए जाता है?'' ______

13 नीचे दिए गए कथनों को उत्तर–पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही हैं या गलत। 1×2=2

(क) सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया के सब साथी कल दूसरे प्रपात तक उड़ जाएँगे।

(ख) पशुता को हराने के लिए स्व का बंधन आवश्यक नहीं है।

14 निबंध में ______ होनी चाहिए, वाक्य छोटे तथा ______ होने चाहिए। 1×2=2

(A) क्रमबद्धता, प्रभावशाली (B) क्रम, गंभीर

(C) कहानी, लम्बे (D) कल्पना, प्रभावशाली

15 नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और उसे अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – 1×2=2

	पाठ का नाम	**पात्र का नाम**
(क)	अंधेर नगरी	वाचक
(ख)	बहादुर	नारायणदास

16 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – 1×2=2

(क) समाचारों का चयन उनके महत्व और ______ के अनुसार किया जाता है।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में ______ स्थितियों का वर्णन किया गया है।

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

17 ''बहादूर, आकर नाश्ता क्यों नहीं कर लेते?'' बहादुर कहानी में यह कथन किसका है? 1

(A) किशोर (B) वाचक

(C) निर्मला (D) रिश्तेदार

18 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में मिरज़ा के घर के नौकर–चाकर शतरंज के खेल को ______ खेल बोलते थे। **1**

(A) मनहूस (B) अच्छा

(C) समझदार (D) मज़ेदार

19 गौरैया सुखी राजकुमार के सान्निध्य में क्या सीखती है? **1**

(A) तरस खाना (B) निस्वार्थ प्रेम

(C) दया करना (D) आत्मविश्लेषण

20 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×4=4**

समस्त ग्रंथों एवं ज्ञानी, अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है। हमें कर्म करने के लिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ, दुख कष्ट आदि हमारे शत्रु हैं जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने कहा है, ''कायर मनुष्य अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते है किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।'' विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशील, और अपराजेय व्यक्तित्व है। महापुरुषों को अपने जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परंतु वे घबराए नहीं संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग पर अकेला ही चलना पड़ता है, कोई बाहरी शक्ति आप की सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय है। यदि समस्याएँ न हों, तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। समस्या को सुलझाते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभर कर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है। पुराणों में अनेक कथाएँ यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखें व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचें। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य करेगा उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।

(क) जीवन क्या है?

(A) धर्मक्षेत्र (B) रणक्षेत्र

(C) कर्मक्षेत्र (D) क्रीड़ाक्षेत्र

(ख) संघर्ष के मार्ग पर कैसे चलना पड़ता है?

(A) अकेले ही (B) झुककर

(C) समूह में (D) पंक्तियों में

(ग) यदि समस्याएँ न हो, तो आदमी प्रायः अपने को कैसा समझने लगेगा?

(A) सक्रिय (B) निष्क्रिय

(C) दानवीर (D) सहनशील

(घ) महापुरुषों की महानता का रहस्य क्या है?

(A) उनकी दानशीलता (B) उनकी सहनशीलता

(C) उनकी वीरता (D) उनकी शक्ति

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

21 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×2=2**

(i) तथैव का संधि–विच्छेद _______ है।

(ii) रेखांकित का संधि–विच्छेद _______ है।

22 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×2=2**

(i) परिश्रम शब्द में _______ उपसर्ग है।

(ii) मालिन शब्द में _______ प्रत्यय है।

23 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए : **1×2=2**

(i) कमल, सुर, निडर, गति में से तद्भव शब्द है _______।

(ii) नासिका, गेहूँ, भिखारी, मोती में से तत्सम शब्द है _______।

24 'दाँत काटी रोटी' मुहावरे का अर्थ है – **1**

(A) जूठी रोटी (B) गहरी मित्रता

(C) गहरी शत्रुता (D) नरम रोटी

25 युद्धभूमि ______ समास का उदाहरण है। **1**

(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव

(C) द्वंद्व (D) द्विगु

26 निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है– **1**

(A) उस दृश्य को देखकर प्राण तो निकल गया।

(B) उस दृश्य को देखकर मेरा प्राण तो निकल गया।

(C) उस दृश्य को देखकर मेरे तो प्राण निकल गए।

(D) उस दृश्य को देखकर प्राण तो मेरे तो निकल गए।

27 प्रधानाचार्या प्रार्थना सभा में आईं और उन्होंने सदाचार पर भाषण दिया। **1**

यह ______ वाक्य है।

(A) संयुक्त (B) मिश्र

(C) सरल (D) विधानसूचक

खंड 'ब'
(विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक)

28 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **3**

क्या, होती है तुम्हारे भीतर धमस,
कटकर गिरता है जब कोई पेड़, धरती पर?
सुना है कभी,
रात के सन्नाटे में अंधेरे से मुँह ढाँप,
किस कदर रोती हैं नदियाँ?

अथवा

पावस देखि रहीम मन, कोइल साधै मौन।
अब दादुर बक्ता भए, हमको पूछत कौन॥

29 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×3=6**

(क) आज़ादी कविता के अनुसार 'बलिदानी को जीवन' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में गाँव के तालाब का सुंदर चित्रण है। उसका वर्णन कीजिए।

(ग) आह्वान कविता के माध्यम से बताइए कि 'देश के प्रति आपके क्या कर्तव्य हैं?'

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार 'पहाड़ मौन समाधि लिए बैठा है'। इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

30 निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए– **4**

देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में,
दूर व्यापारिक नगर से,
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

अथवा

आओ, मिलें सब देश–बांधव हार बन कर देश के,
साधक बने सब प्रेम से सुख–शांतिमय उद्देश्य के,
क्या सांप्रदायिक भेद से ऐक्य मिट सकता अहो !
बनती नहीं क्या एक माला विविधा सुमनों को कहो ?

31 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर **20 से 25** शब्दों में लिखिए – **2×2=4**

(क) मूल्यवान वस्तुएँ सस्ती होने पर भी महंत ने अंधेर नगरी में रहने के लिए क्यों मना किया ?

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी में ईश्वर और उसके देवदूत की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

32 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर **20** से **25** शब्दों में लिखिए – **2×3=6**

(क) बहादुर वाचक के परिवार के लिए घमंड और दिखावे का माध्यम है। स्पष्ट कीजिए।

(ख) बच्चों की पात्र–योजना सुखी राजकुमार कहानी में क्या–क्या उजागर करने के लिए की गई थी ?

(ग) अंधेर नगरी नाटक के मंत्री के विषय में आप क्या जानते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'मरे हुए बच्चे को गोद में दबाए रखने वाली बंदरिया' का उदाहरण देने का क्या उद्देश्य है ? नाखून क्यों बढ़ते हैं ? पाठ के आधार पर बताइए।

33 निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **5**

बादशाह को लिए हुए सेना सामने से निकल गई। उनके जाते ही मिरज़ा ने फिर बाज़ी बिछा दी। हार की चोट बुरी होती है। मीर ने कहा – आइए नवाब साहब के मातम में एक मरसिया कह डालें। लेकिन, मिरज़ा की राजभक्ति अपनी हार के साथ लुप्त हो चुकी थी। वे हार का बदला चुकाने के लिए अधीर हो रहे थे। शाम हो गई। खंडहर में चमगादड़ों ने चीखना शुरू किया। अबाबीलें आ–आ कर अपने–अपने 'घोंसलों' में चिमटीं। पर दोनों खिलाड़ी डटे हुए थे।

अथवा

किशोर तो जैसे उसकी जान के पीछे पड़ गया था। वह उदास रहने लगा और काम में लापरवाही करने लगा। एक दिन मैं दफ़्तर से विलंब से आया। निर्मला आँगन में चुपचाप सिर पर हाथ रखकर बैठी थी। अन्य लड़कों का पता नहीं था केवल लड़की अपनी माँ के पास खड़ी थी। अँगीठी अभी जली नहीं थी। आँगन गंदा पडा था। बर्तन बिना मले हुए रखे थे। सारा घर जैसे काट रहा था।

34 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 5

सफलता और चरितार्थता में अंतर है। मनुष्य मारणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आड़म्बर के साथ सफलता का नाम दे रखा है। परंतु मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सब के मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है जो उस के जीवन में सफलता ले आना चाहती है, उसको काट देना उस स्वनिर्धारित, आत्मबंधन का फल है, जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए। 1

(ख) मनुष्य की चरितार्थता किस–किस में है? 2

(ग) मनुष्य अपनी सच्ची जीत कैसे सिद्ध करता है? 2

अथवा

उसके बाद ओले गिरे और फिर पाला पड़ने लगा। सड़कें चमकदार बर्फ से ढककर चाँदी की मालूम होने लगी। छज्जों से बड़े–बड़े बर्फ के टुकड़े लटकने लगे। सभी फ़र के ओवरकोट पहनकर निकलने लगे। बेचारी नन्हीं गौरैया ठंड से अकड़ने लगी; लेकिन वह उसे इतना प्यार करती थी कि उसे वह छोड़ नहीं सकती थी। अंत में उसे लगा की अब उसके दिन करीब हैं। अब उसके परों में केवल इतनी शक्ति शेष थी कि वह राजकुमार के कंधों तक एक बार उड़ सकती थी।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए। 1

(ख) गद्यांश में वर्णित प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए। 2

(ग) इस गद्यांश से गौरैया के चरित्र की किन विशेषताओं का पता चलता है? 2

35 निम्नलिखित गद्यांश का सार एक–तिहाई शब्दों में लिखिए – 5

'दैव–दैव आलसी पुकारा' उक्ति का अर्थ है कि आलसी व्यक्ति ही भाग्य की दुहाई देता है। वह भाग्य के भरोसे ही जीवन बिता देना चाहता है। सुख प्राप्त होने पर वह भाग्य की प्रशंसा करता है और दुख आने पर वह भाग्य को कोसता है। यह ठीक है कि भाग्य का भी हमारे जीवन में महत्व है, लेकिन आलसी बन कर बैठे रहना तथा असफलता प्राप्त होने पर भाग्य को दोष देना किसी प्रकार भी उचित नहीं। प्रयास और परिश्रम की महिमा सब जानते हैं। परिश्रम के बल पर मनुष्य भाग्य की रेखाओं को भी बदल सकता है। परिश्रम सफलता की कुंजी है। कहा भी है – यदि पुरुषार्थ मेंरे दाएँ हाथ में है तो विजय बाएँ हाथ में। परिश्रम से मिट्टी भी सोना उगलती है। आलसी और कामचोर व्यक्ति ही भाग्य के लेख पढ़ते हैं। कर्मठ व्यक्ति तो बाहुबल पर भरोसा करते हैं। परिश्रमी व्यक्ति स्वावलंबी, ईमानदार, सत्यवादी एव चरित्रवान होता है। आलसी व्यक्ति जीवन में कभी प्रगति नहीं कर सकता। आलस्य जीवन को जड़ बनाता है। आलसी परावलंबी होता है। इसलिए आलस छोड़कर परिश्रमी बनना चाहिए।

36 सड़कों की दुर्दशा पर खेद प्रकट करते हुए नगरपालिका के अध्यक्ष को पत्र लिखिए। **5**

अथवा

आप एक ट्रैकिंग कैंप में जाना चाहते हैं। पिताजी ने मना कर दिया है। उन्हें ट्रैकिंग के लाभ समझाते हुए पत्र लिखिए।

37 निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए : **7**

(क) इक्कीसवीं सदी का भारत

(ख) बढ़ती आबादी और सिमटते साधन

(ग) स्वच्छ भारत अभियान का प्रभाव

(घ) जहाँ चाह वहाँ राह